हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 327 देहरादून शुक्रवार 20 फरवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

सीएम धामी ने किया चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन-जन की सरकार,जन -जन के द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ

- सौ और गौचर हवाई पट्टी का सेना के माध्यम से किया जाएगा संचालन :मुख्यमंत्री

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को विकास खंड परिसर चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन-जन की सरकार,जन -जन के द्वार कार्यक्रम में विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्या एवं शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकांश समस्याओं का निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम से आम जन को राहत मिली है तथा प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुगम और पारदर्शी हुई है। इस अभियान के तहत अब तक 600 से अधिक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में पाँच लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि 40 हजार से ज्यादा लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक न जाना पड़े। इसी उद्देश्य से अभियान चलाकर गांव-गांव में शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां मौके पर ही समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से आमजन को राहत मिली है और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हैली सेवा के विस्तार के लिए सरकार ने अहम निर्णय लिए है। उन्होंने कहा कि चिन्यालीसौड़ एवं गौचर हवाई पट्टी से हैली सेवा शुरू होगी। दोनों हवाई पट्टी सेना के माध्यम से संचालित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। सरकार ने यात्रा की तैयारी पहले से ही शुरू कर दी है। ताकि यात्री, श्रद्धालु यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यात्रा शुरू कराने में समन्वयक के रूप में है जबकि असली यात्रा शुरू कराने में स्थानीय हितधारक, तीर्थ पुरोहित, होटल,टैक्सी, मैक्सी स्थानीय लोग है।

दून के रेंजर ग्राउंड में 21 फरवरी से 01 मार्च तक 'दिव्य कला मेला

देहरादून (संवाददाता)। दून में भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के तत्वाधान में दिव्य कला मेला का आयोजन 21 फरवरी से शुरू होगा। 1 मार्च तक रेंजर ग्राउंड में मेला आयोजित होगा। सीडीओ अभिनव शाह ने बताया कि प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले इस मेले का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सीधे बाजार और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। 13 जनपदों के दिव्यांगजन भाग लेंगे और वे अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन विभिन्न स्टालों के माध्यम से करेंगे। अन्य राज्यों से आने वाले दिव्यांग कलाकार और कारीगर भी अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री करेंगे।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026' में किया प्रतिभाग

- लोकल से ग्लोबल की ओर बढ़ावा दे रहा चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सवः गणेश जोशी

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आज जनपद चम्पावत के टनकपुर में आयोजित 'चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने पशु सखियों को मोबाइल फोन और विभिन्न स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को चौक तथा कृषकों को फार्म मिशनरी बैंक भी वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री गणेश जोशी ने बाल विकास विभाग द्वारा 25 बच्चों का सामूहिक जन्म दिवस भी कैक काटकर मनाया।

अपने संबोधन में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस बार महोत्सव को "शीतकालीन कॉर्बेट महोत्सव" की थीम के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल पर्यटन को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि स्थानीय कला, संस्कृति और उत्पादों को भी व्यापक पहचान दिलाते हैं।

संक्षिप्त समाचार...

उत्तराखंड विवि कर्मचारी महासंघ के चुनाव 22 फरवरी को

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ का द्विवार्षिक प्रदेश सम्मेलन 22 फरवरी को उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ की देख रेख में गुरुकुल परिसर में आयोजित होगा। सम्मेलन में प्रदेश के 11 राजकीय विश्वविद्यालयों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर व गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कर्मचारी भाग लेंगे। महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत व महामंत्री प्रशांत मेहता ने बताया कि सम्मेलन के प्रथम सत्र में भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता विषय पर चर्चा होगी। आयोजन समिति के अनुसार करीब 300 कर्मचारी शामिल होंगे और कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहेंगे। आयोजकों ने सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया है।

बैंक को ब्याज सहित लौटानी होगी एफडी की बची हुई रकम

देहरादून (संवाददाता)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इंडियन बैंक (पूर्व इलाहाबाद बैंक) की पौड़ी शाखा को उपभोक्ता की सावधि जमा (एफडीआर) समय से पहले बंद करने के मामले में सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र खरे और सदस्य अल्का नेगी ने बैंक को उपभोक्ता के वित्तीय नुकसान की भरपाई करने का आदेश दिया। पौड़ी निवासी प्रेम कुमार बहुगुणा ने बैंक में 23,96,500 की एफडीआर करवाई थी, जिसकी परिपक्वता तिथि 30 अप्रैल 2022 निर्धारित थी। आरोप है कि बैंक ने बिना उपभोक्ता की सहमति के एफडीआर को समय से पहले बंद कर दिया, जिससे उन्हें 86,720 का नुकसान हुआ।

सम्पादकीय

भाजपा की राजनीतिक योजना क्या है?

तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लांड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए समानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे।इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉयड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा।सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराधी मान कर उसे सजा के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरूद्ध है और संविधान विरूद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरूद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है।

क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे? सवाल है कि आरोप लगाए जाने और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? भारत में न्याय की व्यवस्था महर्षि याज्ञवल्क्य के समय बनी, जिसमें वाचस्पति ने नव्य न्याय की धारणा जोड़ी। इसके मुताबिक दोष सिद्धि से पहले किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 कानून के समक्ष सबकी समानता और धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर किसी किस्म के भेदभाव को निरस्त करता है। लेकिन यहां भारत सरकार ने जाति के आधार पर एक समूह को पहले ही अपराधी मान लिया है। किसी सभ्य समाज में ऐसी व्यवस्था की कल्पना भीकैसे की जा सकती है?इसी तरह का एक बिल मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भी ले आई थी। कम्युनल वायलेंस बिल की मूल अवधारणा हिंदू को दंगाई मानने की थी। ऐसा कानून बन रहा था, जिसके मुताबिक कही भी दंगा होगा तो हिंदू को दोषी माना जाएगा। ठीक उसी तरह का नियम सरकार ले आई है, जिसके मुताबिक किसी भी शिक्षण संस्थान में अगर भेदभाव होता है या उत्पीड़न की घटना होती है तो सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक को उसका दोषी माना जाएगा। एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग कभी भी आरोपी या दोषी नहीं बनाए जाएंगे।अब जरा इसके व्यावहारिक पक्ष की कल्पना करें। किसी भी शिक्षण संस्थान में जाने वाले सामान्य वर्ग के छात्र के ऊपर कितना मानसिक दबाव होगा। वह हर समय इस आशंका में रहेगा कि उपरोक्त पांच समूहों का कोई छात्र उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है और उसका करियर समाप्त कर सकता है। क्या सरकार कथित ऐतिहासिक गलतियों को दुरुस्त करने के लिए रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन के जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर करना चाहती है? सरकार ने यह काम ऐसे समय में किया है, जब सामाजिक स्तर पर असमानता कम हो रही है, समाज ज्यादा समरस बन रहा है और सत्तारूढ़ दल खुद ही व्यापक हिंदू एकता के लिए काम कर रहा है। दूसरी ओर आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ रही है। सरकार का यह नियम विभिन्न जातियों और समाजों के बीच वैमनस्य और भेदभाव बनाने वाला प्रतीत होता है।

जनाब ओवैसी, कैथोलिक काऊंसिल से जाने सच्चाई

शंकर शरण

बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में श्इस्लामिक पोपुलर फ्रंद्ध की छात्र शाखा श्कैंपस फ्रंद्ध ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है।ज् कभी मौलाना मदनी द्वारा जिहाद को श्पवित्रश कहकर नाराजी दिखाना, तो कभी ओवैसी द्वारा श्लव-जिहादश पर तंज कर चुनौती देना हिन्दू नेताओं की असलियत दिखाता है। आर.एस.एस. को चुनौती देकर ओवैसी का मजा लेना है। आखिर क्यों नहीं! ये अज्ञान और डर, दोनों प्रभाव से जीते है।लव-जिहाद की पहचान और पैमाना ख्र 1गत 5 जनवरी प्रखर मुस्लिम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आर.एस.एस. नेता मोहन भागवत को चुनौती दी कि श्लव जिहाद परिभाषिद्ध करें। क्योंकि इन्होंने अपने किसी भाषण में इस का उल्लेख किया था। ओवैसी ने भाजपा से भी माँग की कि, श्अगर देश में लव जिहाद हो रहा, तो इस के आँकड़े संसद में द्धे।पर ओवैसी की चुनौती अनुत्तरित रही। अधिकांश संघ-भाजपा नेता मुहावरों, जुमलों, आधी-अधूरी बातों तक ही रहते हैं। किन्तु ओवैसी भी गर श्लव-जिहाद्ध की सच्चाई जानना चाहते तो अपनी माँग कैथोलिक बिशप काऊंसिल ऑफ इंडिया और सीरियन मलाबार चर्च से करते। लव-जिहाद का मामला सब से पहले भारत के क्रिश्चियन नेताओं ने उठाया था। वे वर्षों से इस पर लड़ रहे हैं। कैथोलिक बिशप काऊंसिल और सीरियन मलाबार चर्च ने 2020 में बिशप सम्मेलन (सायनोड) के आधिकारिक बयान में कहा था कि श्लव-जिहाद एक सचाई द्धै, और खतरा है।बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में श्इस्लामिक पोपुलर फ्रंद्ध की छात्र शाखा श्कैंपस फ्रंद्ध ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है। अतः यदि किसी संघ-भाजपा सांसद को इस पर तनिक भी चिन्ता हो, तो वह बिशप काउंसिल की रिपोर्ट के ही आंकड़े संसद में पेश करें ख्र ताकि ओवैसी की चुनौती को वाक-ओवर न मिले।राजनीति में ऐसी स्थितियाँ जनता के बीच धारणाएं बनाती हैं। उन धारणाओं के परिणाम होते हैं। अतः संघ-भाजपा नेताओं को अपनी ही बातों पर भागना नहीं चाहिए। वह भी इतना गंभीर मुद्दा, जो हिन्दू-जैन-क्रिश्चियन-सिख समाज के अस्तित्व से जुड़ा है।आखिर, इस्लाम द्वारा दुनिया भर में अनेक जगह दूसरे धर्म-समाज को खत्म कर देना ऐतिहासिक सचाई है। इस पर मुस्लिम उलेमा, लीडर फख्र भी करते हैं। फारस, सीरिया, कौंस्टेंटिनोपल, लेबनान, कोसोवो ही नहीं ख्र भारत के भी पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में हजारों मील इलाकों और करोड़ों हिन्दू-सिख लोगों को इस्लाम ने हड़प लिया। उस का औजार जिहाद ही है। इस में लव-जिहाद के विविध रूप भी शामिल हैं।

यह न केवल भारत, बल्कि अनेक यूरोपीय देशों में भी चल रहा है। वहाँ यह गतिविधि श्ग्रूमिंग गैंग्ग्र के काम से भी जानी जाती है। जिस की शिकार अधिकांशतः गोरी क्रिश्चियन लड़कियाँ और शिकारी अधिकांश पाकिस्तानी मूल के मुस्लिम होते हैं। सिख लड़कियों को भी श्के टु खद्ध (कौर से खान) बनाने का धंधा जाहिर है। सो, यूरोप या भारत में लव-जिहाद वास्तविक है।यहाँ केरल सरकार और हाई कोर्ट ने भी इस का नोटिस लिया है। वहाँ के कम्युनिस्ट मुख्य मंत्री वी. एस. अच्युतानन्दन ने बरसों पहले, 2010 में ही, इस पर चेतावनी दी थी। उन के शब्दों में, एक मुस्लिम दल श्मनी और मैरेज्ग्र द्वारा दो दशक में केरल को पूर्ण इस्लामी बनाने की योजना पर चल रहा है। क्या ओवैसी ने इस पर भी ध्यान नहीं दिया था?केरल हाई कोर्ट ने भी 2009 और 2017 में इस का संज्ञान लिया था। यद्यपि कोर्ट की टिप्पणी थी कि सभी अंत-र्धर्म विवाहों को श्लव जिहाद्ध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। किन्तु इस में साफ ध्वनि है कि कुछ मामले ऐसे हैं। वे कौन से मामले हैं, और कितने हैं? निस्संदेह, यह कार्यपालिका और विधायिका के कर्णधारों को देखना था। इस पर बोलना और इस में हो रहे छल-प्रपंच, और दबाव-ब्लैकमेल, आदि को रोकना था। इस बिन्दु पर ओवैसी की चुनौती बिलकुल सही है।पर श्लव-जिहाद्ध की परिभाषा तो केरल के मुख्यमंत्री बता चुके ख्र श्मैरेज का इस्तेमाल करके इस्लाम फैलान्ग्र। वस्तुतः यही कुल जिहाद का उद्देश्य है ख्र इस्लाम को बढ़ाना, और गैर-इस्लाम को मिटाना। इस्लाम की सारी लड़ाई बस इसी के लिए है। उस की बाकी सारी बातें दोयम या बहाना हैं।कुरान की अनगिनत आयतें, जैसे 2:193; 8:39; 9:29; 9:111; 3:28; आदि जिहाद लड़ने की ताकीद करती हैं। जिस की एक ही टेक है: जैसे हो, सब को अल्लाह और मुहम्मद का अनुयायी बनाओ, ताकि सब उन का हुक्म मानें (कुरान, 3:32; 3:132; 4:59, आदि)। यही इस्लाम का आदि-अंत है। न इस से कम, न इस से अधिक। बाकी सब बातें कमतर या स्वैच्छिक हैं। केवल यह ख्र इस्लाम फैलाओ, अन्य को मिटाओ ख्र ही बुनियादी कौल है। इस्लामी राजनीति के सभी काम इसी के अंग हैं।अतः, छल-बल या प्रेम से भी किसी हिन्दू, जैन, सिख, या क्रिश्चियन लड़की या लड़के को मुस्लिम बना लेना ही लव-जिहाद है। तलवार से, या प्रेम से ख्र लक्ष्य वही है, मुस्लिम संख्या बढ़ाना। इस्लाम की ताकत बढ़ाना। इसी को कुरान, हदीस, और सीरा ख्र इस्लाम की तीनों मूल किताबों में ख्र श्अल्लाह का काम्द्ध कहा गया है। सो, लव-जिहाद या जबर-जिहाद, सभी इस्लाम के अनुरूप हैं। यह हर मौलाना जानता है। ओवैसी तो बखूबी जानते होंगे। वे केवल संघ-भाजपा नेताओं के अटपटेपन का मजा लेते रहते हैं!पर, वस्तुतः अच्युतानन्दन वाली परिभाषा तेरह सदियों से भारत में घटित होती देखी जा सकती है। सभी इतिहासकारों के विवरण दिखाते हैं कि 712 ई. में आने वाले मुहम्मद बिन कासिम के पहले गिरोह से लेकर बाद की सदियों में आने वाले सभी मुस्लिम हमलावर ख्र तुर्क, ईरानी, मंगोल, आदि ख्र कोई भी अपनी बीवियाँ साथ नहीं लाए थे। सब ने यहीं की हिन्दू स्त्रियों, लड़कियों को गुलाम, रखैल, या बीवी बनाकर, और सब को मुसलमान बनाकर परिवार बनाया, या केवल औलादें पैदा की। इसे गुलाम-जिहाद, सेक्स-जिहाद, बलात्कार-जिहाद, रखैल-जिहाद, लव-जिहाद, जो भी कहें। बात वही रहेगी। आज इस का व्यवहारिक अर्थ किसी विस्थापित कश्मीरी पंडित या बंगलादेश के हिन्दू से पूछ लीजिए। वह इस के अनेक जीवित उदाहरण दे सकता है।इस प्रकार, ऐतिहासिक रूप में, सीरिया, तुर्की, या ईरान के लगभग तमाम मुस्लिम ही नहीं ख्र जो हजार साल पहले शत-प्रतिशत क्रिश्चियन या पारसी थे ख्र बल्कि भारत-पाकिस्तान-बंगलादेश की संपूर्ण मुस्लिम आबादी के भी लगभग सभी लोग सारतः सेक्स-जिहाद या लव-जिहाद की उत्पत्ति हैं। किसी मुस्लिम तारीखनवीस ने भी, सदियों की तारीख में, एक भी हिन्दू, जैन, या सिख पिता का उदाहरण नहीं दिया है जिस ने स्वेच्छा से अपनी बेटी किसी मुगल बादशाह को भी दी हो। सो, क्रिश्चियन-यहूदी-हिन्दू-जैन-सिख लड़कियों, स्त्रियों को मुसलमान बनाना पूरे विश्व में, सदैव एकतरफा और जबरिया मामला था, और है।यदि सदियों पुरानी यह सच्चाई दूर की लगे, तो अभी हाल का देख लीजिए। केवल पैंतीस वर्ष पहले, 1990 में कश्मीर में नारा दिया गया था ख्र श्असि छु बनावुन पाकिस्तान, बटव रोस तु बटन्यव सान्द्ध (हम पाकिस्तान बनाएंगे, कश्मीरी पंडितों को खत्म कर, मगर उन की स्त्रियों को रख कर)। उस का पूरक नारा भी था ख्र श्या रलिव, या गलिव, या चलिव्द्ध (या तो इस्लाम में मिल जाओ, या खत्म हो जाओ, या भाग जाओ)।यह सब क्या था, जनाब ओवैसी? पूरी की पूरी मुस्लिम जमात समूचे प्रदेश में कहती है कि वे श्हिन्दू स्त्रियों को रखेंगे, मगर हिन्दू पुरुषों को भगाएंग्द्ध! किसलिए? ओवैसी इस से अनजान क्यों बन रहे हैं? केवल संघ-भाजपा के गैंडाखाल या अज्ञानी ही हिन्दू नहीं।

सूबे में नकलविहीन होंगी बोर्ड परीक्षाएं: डॉ. धन सिंह रावत

-संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश
-कहा, 21 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल (10वीं) व इंटरमीडिएट (12वीं) की परीक्षाएं आगामी 21 फरवरी से शुरू होगी। इस बार प्रदेश भर में 2 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी कराने के लिये विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं, साथ ही संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को भी कहा गया है। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि आगामी 21 फरवरी से शुरू होने वाली उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षाओं की परिषदीय परीक्षाएं निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई है, जिसमें विभागीय अधिकारियों, जिला प्रशासन व पुलिस विभाग को आपसी समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिये गये हैं। डॉ. रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के लिहाज से संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त व्यवस्था करने, विशेष उड़नदस्तों की तैनाती तथा लगातार निगरानी करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों के आसपास धारा-144 के नियमों का पालन, अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक तथा प्रश्नपत्रों की सुरक्षित आपूर्ति, संग्रहण व गोपनियता सुनिश्चित करने को केन्द्र व्यवस्थापकों, निरीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। डॉ. रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में इस बार लगभग 2 लाख 15 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे, इसके लिये प्रदेशभर में 1261 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जिसमें 156 संवेदनशील जबकि 6 अति संवेदनशील केन्द्र हैं। डॉ. रावत ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बिना किसी तनाव के आत्मविश्वास व सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा दें। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को प्रोत्साहित करें ताकि बच्चे परीक्षा हॉल में अच्छे से परीक्षाएं दे सके।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिले कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत

- चार धाम यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर की चर्चा

देहरादून (संवाददाता)। गुजरात दौरे से लौटते हुये प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय मंत्री से चार धाम यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं के लेकर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान डॉ. रावत ने उन्हें आगामी चार धाम यात्रा पर आने का न्योता दिया। जिसे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उन्होंने गुजरात दौरे से लौटते समय नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी नड्डा से मुलाकात कर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान डॉ. रावत ने चार धाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधएं मुहैया कराने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। डॉ. रावत ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को यात्रा को लेकर राज्य सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में आधुनिक चिकित्सा इकाई स्थापित कर दी गई है। जिनका शुभारम्भ इसी यात्रा सीजन में किया जायेगा। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा मार्गो पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही चिकित्सकों का पूल भी तैयार किया जा रहा है। जिसमें राज्य की विभिन्न चिकित्सा इकाईयों में तैनात चिकित्सकों के साथ ही राज्य मेडिकल कॉलेज, एम्स ऋषिकेश के चिकित्सकों के साथ देशभर के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जायेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये एम्स ऋषिकेश, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर व देहरादून की सेवा ली जायेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा में 108 आपातकालीन सेवा, एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के साथ ही कार्डिक एम्बुलेंस सेवा की त्रिस्तरीय व्यवस्था सुविधाएं रहेगी। इसके अलावा डॉ. रावत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य की ओर भेजी गई पीआईपी में प्रस्तावित नई कार्यक्रमों के संचालन के लिये अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने की भी मांग केन्द्रीय स्वासथ्य मंत्री से की।

सीएसआर के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय को मिली आधुनिक सुविधाएं

हरिद्वार (संवाददाता)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय नवोदय नगर में सीएसआर योजना के अंतर्गत किरबी संस्थान द्वारा सौर ऊर्जा संचालित एलईडी लाइट्स, विद्यालय के नाम का साइनबोर्ड, कंप्यूटर, प्रिंटर, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम, स्टील अलमारी, कुर्सी-मेज और किचन रैक का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, संस्थान के अधिकारियों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि आदेश चौहान ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता और यही देश के भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने किरबी संस्थान के इस सहयोग को सराहनीय पहल बताया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशु चौधरी ने कहा कि विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। किरबी संस्थान के डीजीएम धीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि संस्थान को ऐसे विद्यालय के लिए कार्य करने पर प्रसन्नता है, जिसने कम समय में राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

शिविर में जंगली जानवरों की समस्या का मुद्दा उठा

हरिद्वार (संवाददाता)। लालढांग न्याय पंचायत में आयोजित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' शिविर में ग्रामीणों ने जंगली जानवरों के आतंक, गंदे पानी की निकासी, राशन कार्ड और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंद रहने जैसी 58 शिकायतें दर्ज की गईं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। गुरुवार को आयोजित शिविर में अपर जिलाधिकारी एफआर चौहान ने संबंधित विभागों को शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान रसूलपुर कमलेश द्विवेदी ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लालढांग बंद रहने से स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मेले में स्टाफ की तैनाती होने से स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लटक जाता है और मरीजों को उपचार के लिए हरिद्वार जाना पड़ता है। उन्होंने ओपीडी समय बढ़ाने की मांग भी उठाई। चमरिया निवासी विजेंद्र सैनी ने बुक्सा जनजाति के लोगों के दस्तावेजों से जाति हटाए जाने का मामला उठाते हुए जमीनों की अवैध खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया। वहीं लालढांग निवासी सुमन देवी ने खेत में बस्ती का गंदा पानी आने की शिकायत दर्ज कराई। अपर जिलाधिकारी एफआर चौहान ने सभी मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए और जनजातीय दस्तावेजों से संबंधित प्रकरण में विशेष जांच कराने की बात कही। शिविर में पहुंचीं हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि सरकार को शिविरों में प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना चाहिए। उप वन प्रभागीय अधिकारी पूनम कैंथोला ने वन विभाग से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए रेंज अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार...

बैठक में ट्रैवल व्यवसायियों को न बुलाने पर पर्यटन अधिकारी का घेराव

हरिद्वार (संवाददाता)। चारधाम यात्रा को लेकर आयोजित बैठक में आमंत्रित न किए जाने से नाराज ट्रैवल व्यवसायियों ने प्रदर्शन किया। ट्रैवल कारोबारियों ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी का घेराव कर भेदभाव करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान को ज्ञापन भी सौंपा। बैठक होने के बाद समाचार पत्रों के माध्यम से बैठक की जानकारी हुई। प्रदर्शनकारियों में इकबाल सिंह, सुनील जायसवाल, मुकेश मनोचा, पुष्पप्रीत सिंह, हरीश भाटिया, चंद्रकांत शर्मा, निर्मल सिंह, विजय शुक्ला, गगनदीप, गुरचरण सिंह, विक्रांत राणा, चंद्रकांत कोठारी, गुरविंदर सिंह, सचिन भाटिया, अर्जुन सैनी, संजीव कर्णवाल, हरिओम सिंघल, सचिन भार्गव आदि शामिल रहे।

दिन में धूप खिलने से राहत, तापमान में बढ़ोतरी हुई

हरिद्वार (संवाददाता)। धर्मनगरी में गुरुवार को पूरा दिन आसमान में धूप निकली रही। धूप की तपिश में लोगों को ठंड से राहत मिली। साथ ही दिन में ठंड का अहसास कम रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी रिकॉर्ड हुई। आईआईटी कृषि मौसम वेधशाला के आंकड़ों के अनुसार धर्मनगरी में गुरुवार को अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। बुधवार को अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। गुरुवार को न्यूनतम तापमान भी 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। बता दें कि फरवरी माह में लगातार धूप खिलने की वजह से ठंड और शीतलहर का असर कम हो गया है। शाम और रात के समय भी धर्मनगरी में गर्मी बढ़ रही है।

महिलाओं और बालिकाओं को दिए आत्मरक्षा के टिप्स

हरिद्वार (संवाददाता)। महिला सुरक्षा को लेकर जनपद पुलिस ने 'पुलिस आपके द्वार' अभियान के तहत खड़खड़ी स्थित निर्धन निकेतन विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मौके पर बालिकाओं और महिलाओं को कानून व हेल्पलाइन संबंधी जानकारी दी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित बालिकाओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, महिला हेल्पलाइन 1090/1091, साइबर अपराध से बचाव, छेड़छाड़ और घरेलू हिंसा जैसी परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आत्मरक्षा के सामान्य उपायों और सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर महिलाएं बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें, पुलिस उनकी सहायता और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया तथा भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में खड़खड़ी चौकी प्रभारी ब्रह्मदत्त बिजल्वाण, उपनिरीक्षक निशा सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा और कांस्टेबल अरुण नेगी मौजूद रहे।

यूजीसी एक्ट के विरोध में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने किया उपवास

हरिद्वार (संवाददाता)। मां गंगा तट स्थित सर्वानंद घाट पर शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर और जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने यूजीसी ऐक्ट को लेकर संत समाज की चुप्पी के विरोध किया। साथ ही एक दिन का उपवास भी रखा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न हिंदू धर्माचार्यो से इस विषय पर मुखर होने का आह्वान किया। महामंडलेश्वर ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को लेकर संत समाज को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए और सनातन परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय नेतृत्व की नीतियों पर भी अपनी आपत्तियां व्यक्त करते हुए यूजीसी से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार की मांग उठाई।

रानीपुर से किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरिद्वार (संवाददाता)। रानीपुर क्षेत्र से एक किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सुमन नगर निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 17 फरवरी से लापता है। घटना के समय वह और उनके पति किसी कार्य से घर से बाहर गए हुए थे। घर पर चार वर्षीय छोटा बेटा मौजूद था। इसी दौरान उनकी बेटी घर से कहीं चली गई। जब वे लौटे तो बेटी घर पर नहीं मिली। आसपास के रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पुलिस से संपर्क किया गया। कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि मामले में अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की तलाश की जा रही है।

ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत हल्द्वानी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की

हल्द्वानी (संवाददता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के निर्देशन में जनपद को अपराध मुक्त बनाने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत हल्द्वानी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को 12 बोर बंदूक और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।एसएसपी के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कत्याल तथा पुलिस उपाधीक्षक हल्द्वानी अमित सैनी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में कोतवाली हल्द्वानी पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान 18 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने मोल्टा थाना जोशीमठ, जिला चमोली निवासी पंकज सिंह बिष्ट पुत्र शंकर सिंह बिष्ट को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक और 3 जिंदा कारतूस बरामद हुए।पुलिस ने आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर अवैध हथियार के स्रोत के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गौरव जोशी, प्रभारी चौकी मंगलपड़ावअपर उपनिरीक्षक मान सिंह, कोतवाली हल्द्वानी कांस्टेबल अरुण राणा कांस्टेबल कमलेश सिंह नौला शामिल रहे।पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और अपने आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधि यों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपकी एक सूचना अपराध रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

स्व. टीपी गोला के निधन पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने शोक जताया

रामनगर (संवाददता)। समाज सेवी और पत्रकार चंचल गोला के पिता टीका प्रसाद गोला के निधन पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उनके निवास पर पहुंचकर परिजनों के साथ शोक संवेदना प्रकट की। इस दौरान हरीश रावत ने कहा कि श्री गोला की क्षतिपूर्ति समाज में एक बड़ी कमी है। जब वह रामनगर में पढ़ते थे तो वह उनसे भली-भांति परिचित थे। उनके द्वारा लिखी गई कविताएं आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करती है। उनकी याद समाज में हमेशा जिंदा रहेगी। इस दौरान उनके साथ ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पुष्कर दुर्गापाल, हरीश लाला, ताईफ खान, राहुल डंगवाल व गोला परिवार के पीयूष गोला, गंगा प्रसाद गोला, रीना गोला, पूजा गोला, सभासद पारस गोला आदि मौजूद रहे।

युवा जन संवाद कार्यक्रम के तहत अल्मोड़ा पहुंचे आशीष नेगी, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार पर उठाए सवाल

अल्मोड़ा (संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांति दल के युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी के गुरुवार को अल्मोड़ा आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। चौहानपाटा गांधी पार्क और शहीद स्मारक पर कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कुमाऊं क्षेत्र में चल रहे युवा जन संवाद कार्यक्रम के तहत आशीष नेगी विभिन्न कस्बों में नुक्कड़ सभाएं करते हुए अल्मोड़ा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा बेरोजगारी से जूझ रहा है और पेपर लीक तथा भ्रष्टाचार के मामलों ने युवाओं को निराश किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को रोजगार दिए जाने से स्थानीय युवाओं में हताशा बढ़ रही है। आशीष नेगी ने कहा कि राज्य के संतुलित विकास में स्थायी राजधानी का अभाव एक बड़ी बाधा है। उन्होंने मूल निवास 1950 लागू करने, प्रदेश की संस्कृति और भाषा के संरक्षण जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। साथ ही युवाओं से उत्तराखंड क्रांति दल से जुड़कर अपनी आवाज मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वह कोसी बाजार, रनमन, मनान और सोमेश्वर में भी पहुंचे, जहां नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से युवाओं से संवाद किया। इस मौके पर कुलदीप रावत, आयुष रावत, गौरव जोशी, रवि नेगी, पंकज कपकोटी, विनीत बोरा, राजेंद्र मलकानी, रघुवर सिंह भाकुनी, नरेंद्र सिंह बिष्ट, गिरीश नाथ गोस्वामी, दिनेश जोशी, पान सिंह रावत, आनंद बोरा, दीपा जोशी, मोहित शाह, किरण मेहरा, सुजीत टम्टा और जगदीश जोशी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिकारियो को दिये समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

विधायक कैड़ा ने भीमताल नगर पालिका क्षेत्र मै सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मै सुनी भीमताल नगर के लोगो की समस्या अधिकारियो को दिये समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

भीमताल (संवाददाता)। विधायक राम सिंह कैड़ा ने नगर पालिका क्षेत्र भीमताल मै जन जन की सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मै क्षेत्र की समस्याओं को सुना क्षेत्र के लोगो ने, बिजली, पानी, शिक्षा,पार्किंग आदि समस्याओं को विधायक कैड़ा के सम्मुख रखा, विधायक कैड़ा ने अधिकारियो से ग्रामीणों की मूल भुत समस्याओं का समाधान करने के करने के निर्देश दिये! जन जन की सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम मै क्षेत्र की समस्याओ का समाधान मौके पर किया है! विधायक कैड़ा ने कहा हमारी सरकार का प्रयास है अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति की समस्याओ का समाधान हो जिस दिशा मै हमारी सरकार कार्य कर रही है, विधायक ने अधिकारियो से सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचाने को कहा! विधायक कैड़ा ने कहा मुख्यमंत्री धामी की सरकार जनता के द्वार पहुंचकर जनता की छोटी बड़ी समस्याओं का समाधान करने हेतु लगातार कार्य कर रही है विधायक कैड़ा ने अधिकारियो को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुऐ जनता की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये! इस दौरान राज्य मंत्री शांति महरा,मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, जिला मंत्री मनोज भट्ट, दिनेश सागुड़ी, गौतम मटियाली, गोपाल कृष्ण भट्ट पंकज जोशी,विभागीय अधिकारी मौजूद रहे!

कार्बेट टाइगर रिजर्व अन्तर्गत धनगढ़ी वन परिसर में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

रामनगर (संवाददाता)। कार्बेट टाइगर रिजर्व अन्तर्गत धनगढ़ी वन परिसर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।जिसमें कॉर्बेट के डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा और पार्क वार्डन बिन्दर पाल द्वारा मॉक ड्रिल में उपस्थित विभागों के अधिकारियों एंव कर्मचारियों को ब्रीफिंग किया गया।उन्होंने आग से होने वाले जनहानि, जंगलों को बचाने कि रोकथाम के लिये आवश्यक आगामी चुनौती के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि आग से किस तरह से वन्यजीवों, जंगलों को नुकसान न हो पाये और सभी विभागों को आपसी सामन्जस्य बनाये जाने के लिये सबोधित किया गया।उत्तराखण्ड वन विभाग आपदा सूचना केन्द्र टोल फ्री नंबर 1926 देहरादून एंव आई०टी० सेल देहरादून द्वारा फायर अलर्ट प्वाइंट दिया गया, जिसको गूगल मेप के माध्यम से मौके पर टीम लीडर हरेन्द्र सिंह वन आरक्षी को वनाग्नि रोकथाम कार्य के उपयोग में लाये गये उपकरणों के साथ भेजा गया था, उनके द्वारा वायरलेस के माध्यम से धनगढ़ी कन्ट्रोल रूम को सूचना दी गई कि आग ज्यादा है और टीम भेजे। जिस पर बिजरानी, ढिकाला रेंज, व अन्य को मौके पर भेजा गया लेकिन आग ज्यादा होने के कारण और मदद मागी गई, जिस पर ग्रामिणों एंव फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, जिसके उपरान्त वनाग्नि पर पूर्ण रूप से नियंत्रण कर लिया गया। फायर पर कन्ट्रोल करते समय एक श्रमिक के घायल हो जाने के कारण, रामनगर स्वास्थ्य विभाग की टीम को तत्काल सूचित किया गया और उनके द्वारा उक्त श्रमिक को एम्बुलेंस के माध्यम से राम दत्त जोशी सयुक्त चिकित्सालय रामनगर ले जाया गया। मॉक ड्रिल समाप्त के बाद सभी लोग धनगढ़ी परिसर मे एकत्रित हुये।उक्त ड्रिल के समापन में उप प्रभागीय वनाधिकारी, बिजरानी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार मनीषा मरकाना,जगदीश छिम्वाल, हर्ष बहादुर पाल,धर्मपाल सिंह,रमन सिंह,ललित सिंह मेहरा आदि मौजूद रहें।

गोशन स्कूल की रजत जयंती में रंगारंग कार्यक्रमों में झूमे दर्शक

नानकमत्ता, संवाददाता। गोशन स्कूल की रजत जयंती के उपलक्ष्य पर विद्यालय में आयोजित "धरोहर" वार्षिकोत्सव में छात्रों ने रंग बिरंगे कार्यक्रम, मधुर गीत और नाटकीय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। मंगलवार को आयोजित वार्षिकोत्सव का मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय नानकमत्ता की प्राचार्य प्रोफेसर अंजला दुर्गापाल, कोतवाली नानकमत्ता प्रभारी श्रीमती मंजू पाण्डे, उमेश अग्रवाल, पूर्व दर्जा मंत्री राजपाल सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी एवं भास्कर सम्भल, श्री गुरु तेग बहादुर ट्रस्ट के ट्रस्टी देवेन्द्र सिंह ने दीप जलाकर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, ऑपरेशन सिंदूर, राजस्थानी कलबेलिया, योगा डान्स, जागो-गिद्धा-भांगड़ा, संकल्प गीत दर्शनीय रहे। छात्रों ने मोबाइल की लत एवं नारी सशक्तिकरण पर जागरूक किया। विद्यालय प्रबंधक डॉ सुरेश चंद्र जोशी, प्रधानाचार्य प्रकाश काण्डपाल, अध्यक्षा सरोज जोशी ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रबंधक डॉ जोशी ने प्रगति रिपोर्ट, भविष्य की कार्य योजना एवं विगत 25 वर्षो की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। बताया कि विद्यालय से पढ़े हुए छात्र-छात्राएं देश एवं विदेश में विभिन विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और ये बच्चे ही असली धरोहर हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अमेरिका ने अपने किसानों के हित साधे, भारत सरकार ने साधा मौन :- टिकैत

-भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की पत्रकार वार्ता

-भारत-अमेरिका के बीच होने वाले समझौते में देशवासियों की भावना व किसानों की आजीविका का नुकसान।

-भाजपा की नहीं अपितु उद्योगपतियों की सरकार, पूजीवाद हावी।

-पहले हिन्दू-मुस्लिम, अब यूजीसी से जातियों में आपसी टकराव कराकर मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप

उत्तराखण्ड के पहाड़ों में पलायन रोकने के लिए अलग से नीति बनाने की जरूरत।

-जंगली जानवरों का आतंक रोकने व विलेज टूरिज्म की नीति बनाकर रुकेगा पलायन।

सितारगंज। भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि उत्तराखण्ड के विकास के लिए पलायन रोकना जरूरी है। उन्होंने सरकारों से बात की थी। विलेज टूरिज्म, जंगली जानवरों से लोगों का बचाव व कृषि का बचाव, तकनीकी सुविधायें जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र के उत्पादों के लिए सरकार ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था करे। पर्वतीय क्षेत्र में रहने वालों के लि हिल पॉलिसी बनाने की जरूरत है। वहां पशु पालकों को हिल अलाउंस दिया जाना चाहिये। किसान अपनी खेती बाड़ी कर सके इसलिए जंगली सुअर, बंदरों से निजात के लिए कदम उठाने की जरूरत है। कहा कि दशकों से घर बनाकर रह रहे परिवारों को उजाड़ने के बाद उन्हें अधिकार देने की मांग की। किसान नेता टिकैत ने कहा कि देश में जंगल उजाड़कर खनन करवा रही है। यहां रह रहे परिवारों को उजाड़कर जंगल लगाने की बात कर रही है। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी नीतियां नहीं बदली तो आगामी समय में सरकार को खामियाजा भुगतान होगा।

सितारगंज, (संवाददता)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ डील पर लगातार अपने बयान जारी कर रहा है। जिसमें अमेरिका व अमेरिका के किसानों के हित साधे हैं। भारत सरकार मौन है। उन्होंने कहा कि जो बयान सामने आ रहे हैं। वह देश के किसानों के अलावा हर वर्ग के लिए बेहद खतरनाक व बर्बादी के हैं। इसमें देश के लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी आहत किया जा रहा है।गुरुवार को तिरंगा चौक स्थित भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र यादव के कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि आयातित पशु आहार और दूध व उसके उत्पादों से स्थानीय किसानों का पशुपालन खत्म होगा। किसानों की खेती समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पशु चारा मांसाहारी होता है। वहां का चारा देश में पहुंचेगा तो उन जानवरों के दूध से धार्मिक भावनायें आहत होंगी।किसान नेता ने कहा कि सरकार हर वर्ग को निपटाने में लगी है। देश में किसी पार्टी की सरकार नहीं अपितु बड़ उद्योगपतियों की सरकार चल रही है। टेड डील से जहां पशु पालन समाप्त होगा। वहीं गन्ना उद्योग, मक्के की खेती से लेकर अधिकांश फसलों के दाम बाजार में नहीं मिलेगा। उन्होंनक कहा कि उत्तराखण्ड, हिमांचल, जम्मू कश्मीर के सेव का किसान भी खत्म हो जायेगा। फ्रूट, ग्रेन, मिल्क में भारत का किसान बर्बाद होगा। टिकैत ने कहा कि अमेरिका ने अपने देश व अपने किसानों के हित देखे हैं। लेकिन भारत सरकार ने अनदेखी की। किसान नेता टिकैत ने कहा कि प्रधानमंत्री व एनडीएम सरकार ने 11 वर्ष में किसान संगठनों, पत्रकारों, व्यापारियों से उनकी समस्याओं को लेकर कोई बैठक तक नहीं की। आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर लड़ाने के बाद अब जातियों में संघर्ष करा रही है। यूजीसी जैसे कानून इसीलिए लाये गये। ताकि लोग एकजुट होकर अपनी समस्याओं के लिए संघर्ष न करे। टिकैत ने कहा कि वे किसानों से लगातार संवाद कर रहे हैं। जो जनांदोलन की तैयारी है। किसान नेता ने कहा कि भाजपा ने विपक्ष को डरा धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल करने का क्रम जारी रखा है। इससे निष्पक्ष चुनाव पर प्रश्नचिह्न हैं। सितारगंज पहुंचने पर किसानों ने किसान नेता राकेश टिकैत व बलजिंदर सिंह मान का स्वागत किया।

रनसाली रेंज क्षेत्र में अवैध खनन से भरी ट्रैक्टर ट्राली रोकने पर वनकर्मियों पर जानलेवा हमला

-वन दरोगा ने लगाया वर्दी फाड़ने व ट्रैक्टर चढ़ाने के प्रयास का आरोप, बुधवार देर सायं की घटना।

-पुलिस ने वन दरोगा नंद किशोर पाण्डे की तहरीर पर एक ही परिवार के तीन नामजदों समेत छह अन्य के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

सितारगंज, (संवाददाता)।रनसाली वन विभाग की टीम के गश्त के दौरान खनन वाहनों को रोकने पर हमला कर दिया। बुधवार की सायं हुई घटना में वन दरोगा की ओर से मुकदमा दर्ज कराया है।

रनसाली रेंज में तैनात वन दरोगा नन्द किशोर पाण्डे ने बताया कि बुध वार को वह वन आरक्षी शक्ति सिंह, वन बीट अधिकारी भूपेन्द्र कुमार, सूरज सिंह कार्की के साथ आरक्षित वन क्षेत्र में गश्त पर थे। जब टीम कैलाश नदी के किनारे पहुंचे। तो आरक्षित वन क्षेत्र में तीन ट्रैक्टर ट्रॉलियों में अवैध रूप से खनन सामग्री भरी जा रही थी। यहां राजकुमार पुत्र कृष्ण निवासी साधूनगर व उसके पुत्र आरक्षित वन क्षेत्र के अन्दर नदी से वन उपज भर रहे थे। वनकर्मियों ने राजकुमार व उसके बेटों से खनन सम्बन्धी सम्बन्धित कागजात दिखाने को कहा तो खनन से सम्बन्धित दस्तावेज नही दिखा पाये। उपखनिज भरे वाहनों को रेंज कार्लालय रनसाली ले जाने लगे तो राजकुमार, राजा पुत्र राजकुमार और एक अन्य और उनके अन्य चार-पांच साथियों ने गाली-गलौच करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। ट्रैक्टर से कुचलने व दबाने का प्रयास किया।

महिला ने विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया

रामनगर (संवाददाता)। अज्ञात कारणों के चलते एक महिला ने विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया।जिससे उसकी मौत हो गई।बुधवार को गांधीनगर काशीपुर जिला ऊधमसिंह नगर निवासी 27 साल की रानी पत्नी नीटू सिंह नाम की एक महिला ने घर में विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया।हालत गंभीर होने पर परिजनों द्वारा उपचार के लिए रामनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ उपचार के लिए महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया।कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि सरकारी अस्पताल में पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।मृतक के दो छोटी बेटियां है और पति मजदूरी करने का काम करता है।सूचना पर मौके पर सरकारी अस्पताल में नायब तहसीलदार कुंदन पूरी पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से जानकारी ली।

होली का प्रदर्शन कर लोगों का मन मुग्ध किया

होली महोत्सव प्रतियोगिता 2026

सारथी फाउंडेशन समिति द्वारा आयोजित पंचम होली महोत्सव मै सर्वप्रथम नूपुर नृत्य कला केंद्र के द्वारा गणेश वंदना के बाद आयी हुई सभी टीमों द्वारा रंगारंग झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया।तत्पश्चात महिला होली टीमों के द्वारा होली गायन वादन एवं स्वांग के माध्यम से संदेशात्मक होली का प्रदर्शन कर लोगों का मन मुग्ध किया। इसके साथ ही सभी प्रतिभागीयों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।और अंत में सभी ने फूलों की होली का भरपूर आनंद भी लिया।होली महोत्सव का आयोजन मां जगदंबा बैंक्विट हॉल मुखानी रोड में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रतियोगिता के शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल,राज्यमंत्री शंकर कोरंगा,संस्था अध्यक्ष नवीन पंत,सचिव ज्ञानेंद्र जोशी,चंद्रशेखर पांडे,गिरीश लोहनी जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात गणेश वंदना की प्रस्तुति नूपुर नृत्य कला केंद्र द्वारा दी गई तत्पश्चात महिलाओं द्वारा कुमाउनी होली गायन,वादन और स्वांग का कार्यक्रम किया गया।और एक एक कर टीमों

द्वारा अपना प्रदर्शन किया गया। आज टीम गौरी माहेश्वरी टीम,प्रगति विहार लाल डांठ ,राधिका होली ग्रुप,संस्कृति समागम कुसुमखेड़ा,जय मां कलिका भगवानपुर,जय ईस्ट देव द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी गयी।

फूलों की होली

महिला होल्यारों द्वारा होली की झाकियों के द्वारा विभिन्न संदेशों के द्वारा प्रदर्शन किया गया। साथ ही फूलों की होली का सभी लोगों ने खूब आनंद उठाया।

संदेश

मुख्यरूप से साइबर अपराध से बचाने,जंगलों को कटाने से बचाना,पहाड़ से पलायन को रोक कर स्वरोजगार को बढ़ावा देना,जागरूक मतदाता बन सही वियक्ति को जनप्रतिनिधि बनाना आदि संदेशों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया गया।

कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव ज्ञानेंद्र जोशी

विशेष

कार्यक्रम मै विशेष रूप से एक्स डांस क्रू पिलिकोठी के संचालक सौरभ फर्त्याल की टीम के कलाकारों ने विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।संस्था अध्यक्ष नवीन पन्त ने आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर सफल कार्यक्रम की बधाईयां दी

ये लोग रहे मौजूद विधायक सुमित हृदयेश,पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनंद सिंह दरमवाल,पूर्व मेयर जोगेंद्र सिंह रौतेला राज्यमंत्री,दिनेश आर्य, रेनू अधिकारी,राहुल छिमवाल,कंचन उप्रेती, किशोर पंत,मधुकर श्रोतीय,हुकुम सिंह कुंवर, समाजसेवी योगेश जोशी, प्रकाश मेहता,बॉबी आर्य,नीलम मनराल, अलका जीना प्रतिभा जोशी,हरीश पांडे,शोभा बिष्ट,राजेंद्र सिंह बिष्ट,हेमा हरबोला,मधु सांगूड़ी, नवनीत राणा, रत्ना श्रीवास्तव,बाल किशन भट्ट,आदि अतिथि उपस्थित थे सारथी फाउंडेशन के सदस्य कमल जोशी,केतन जायसवाल, संदीप भट्ट,हेमा जोशी,मीना शाही, रंजना जोशी, बबिता टकवाल,रमा जोशी, कौशल्या जोशी, पूजा पन्त, भावना जोशी, भगवती धपोला,उमा जोशी,आभा रौतेला, मुन्नी पन्त,शीला भट्ट, डाक्टर दीप्ती जोशी, संतोष गौड़ सहित संस्था के कार्यकर्ताओ ने होली महोत्सव में अपना योगदान दिया ।

हिन्दी दैनिक जोखिम

यूजीसी की गाईडलाईन मे ही भेदभाव है-प्रकाश हर्बोला

सवर्ण शक्ति संगठन(उत्तराखंड) के संयोजक प्रकाश हर्बोला द्वारा पत्रकार वार्ता की गई जिसमें यूजीसी के काले कानून के विरोध में सवर्ण शक्ति संगठन के संयोजक प्रकाश हर्बोला ,सहसंयोजक भुवन भट्ट, सदस्य जगत सिंह बिष्ट ,सदस्य मनोज अग्रवाल, सदस्य तरूण वानखेड़े, आदि लोग उपस्थित रहेसवर्ण शक्ति संगठन के संयोजक प्रकाश हर्बोला जी ने कहा की यूजीसी की गाईडलाईन मे ही भेदभाव है जो की प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है झूठी शिकायत दंड दर्ज कर उस व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही हो जायेगी, लेकिन गलत शिकायत करने वाले का कुछ नही होगाजिसकी शिकायत की गई उस व्यक्ति का कैरियर बर्बाद हो जायेगा उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। केंद्रिय मंत्री मा० धर्मेद्र प्रधान जी ने कहा है कि किसी के खिलाफ गलत नहीं होगा क्या... आजीवन मंत्री रहेंगे अगर नहीं रहे तो क्या दूसरे मंत्री भी जो आप कहेंगे वही करेंगे, आपने कानून ही ऐसा बनाया जो भेदभाव करता है। श्री हर्बोला जी ने कहा कि आपने दूसरा पाप यह किया की अगडे के सामने पिछडो को खडा कर दिया तुम एक दूसरे के दुश्मन हो यह तुम्हारा उत्पीड़न करते है और तुम पिडित हो तुमको इनकी शिकायत करनी है तुम इनकी जिन्दगी बर्बाद कर सकते हो,सरकार कहती सुप्रीम कोर्ट ने कहा रोहित वेमूला केस मे गाईडलाईन बनाओ एस०सी, एस०टीके साथ आपने ओबीसी को भी जोड दिया जो कोर्ट ने नही कहा था क्या आप बताऐगे की जो शिकायतकर्ता झूठा पाया जाये उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा, बताए आपने ऐसा क्यो किया, कोर्ट ने तो ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं दीआपने पहले ही एक पक्ष को दोषी मान लिया यह तो उसी प्रकार है जैसा यूपीए सरकार ने एंटी क्रिमिनल बिल बनाया था दंगा कहीं भी हो दोषी हिंदू ही माने जाएंगे, यहां आपने कहा भेदभाव कोई भी करें दोषी सवर्ण ही माने जाएंगे यह नियम कैसे चल सकता है,स्टूडेंट टीचर के खिलाफ टीचर प्रधानाचार्य के खिलाफ प्रधानाचार्य वॉइस चांसलर के खिलाफ जो भी गलत लगेगा किसी को किसी के खिलाफ जो भी गलत लगेगा वह शिकायत करेगा उसकी जांच नहीं होगी तो विद्यालय, विश्वविद्यालय, टीचर सभी को सजा मिलेगी और विद्यालय की मान्यता रद्द कर डिग्री देने का अधिकार भी छीन लिया जाएगा जो न्याय के सिस्टम के विपरीत है हमारे वहां मल्टी लेयर सिस्टम है लोअर कोर्ट का अपर कोर्ट में अपर कोर्ट से हाईकोर्ट में हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट की बेंच में बेंच से राष्ट्रपति के वहां अपील की जा सकती है लेकिन यहां इक्विटी बोर्ड के फैसले के खिलाफ कहीं कोई अपील का प्रावधान नहीं हैइक्विटी बोर्ड में सवर्ण को शामिल न करना ही उनके मौलिक अधिकारों का हनन है, इक्विटी बोर्ड में एस०सी, एस०टी,ओबीसी, महिला, दिव्यांग, मेंबर का प्रावधान है स्वर्ण का नहीं है सहसंयोजक भुवन भट्ट ने कहा कि हमारे बच्चों के भविष्य के सखथ खिलवाड़ बर्दास्त नही किया जायेगा, हम किसी वर्ग के खिलाफ नही है, लेकिन उस प्रणाली पर सवाल है जहां न्याय की प्रक्रिया एक तरफ होती दिखाई दे रही है शिक्षा संस्थान डर नहीं संवाद और ज्ञान के केंद्र होने चाहिए हम मांग करते हैं कि नियमों पर पुनर्विचार करना चाहिए सभी छात्रों के लिए सम्मान और समान शिकायत तंत्र बने और निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए,

भुवन भट्ट ने कहा की बच्चों के साथ स्कूल में भेदभाव बढ़ाना ठीक नहीं इससे आपस में जातियों में भेदभाव बढ़ेगा बच्चे हमारे स्वतंत्र हैं उनका मौलिक अधिकारों में जीने दो इसके खिलाफ हम लोग 21 तारीख को रामलीला मैदान हल्द्वानी मै एकत्रित होकर वहां से आक्रोश महारैली लेकर डीएम कार्यालय तक एक रैली निकाल कर डीएम साहब को ज्ञापन प्रेषित करेंगे स्वर्ण झुकेगा नहीं अपने अधिकारों को लेकर रहेगा हर बार हम स्वर्ण सभी वर्गों का सम्मान करते हैं जहां पर अधिकारों की बात आएगी और अगर समाज को दबाया जाएगा तो आवाज को बुलंद करने में देर नहीं लगेगी इसलिए समय यूजीसी के काले कानून को वापस ले लेना चाहिएवार्ता मे जगत सिंह बिष्ट, त्रिलोक सिंह बिष्ट, तरूण वानखेड़े,मनोज अग्रवाल,भुवन भट्ट, प्रताप जोशी, योगेंद्र भट्ट आदि उपस्थित रहे

अवैध शराब की तस्करी में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

लालकुआं (संवाददाता)। /नैनीताल जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की तस्करी में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. के निर्देश पर जनपद में मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। लालकुआं क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल और सीओ हल्द्वानी/लालकुआं अमित कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान गोला गेट हल्दुचौड़ के पास इरफान खान पुत्र चांद मियां निवासी वार्ड नंबर-1 नई बस्ती लालकुआं को गिरफ्तार किया। उसके पास से प्लास्टिक के कट्टे में भरे 95 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ कोतवाली लालकुआं में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक शंकर नयाल, कांस्टेबल गुरमेज सिंह और कांस्टेबल कुबेर राणा शामिल रहे। वहीं दूसरी ओर मुखानी क्षेत्र में भी पुलिस ने तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक अभियुक्त को धर दबोचा।

जिज्ञासा गंगवार ने प्रतिष्ठित JEE Main परीक्षा में 99.36 अंक प्राप्त

हल्द्वानी,(संवाददाता)। शहर की प्रतिभाशाली छात्रा जिज्ञासा गंगवार ने प्रतिष्ठित JEE Main परीक्षा में 99.36 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे नगर को गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से शैक्षणिक जगत में हर्ष और गर्व का माहौल है।बियरशिबा सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा जिज्ञासा ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर समर्पण के बल पर यह सफलता अर्जित की। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इसे संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण बताया है।विद्यालय की संस्थापक प्रबंधक निरूपमा भट्ट तलवार, प्रबंधक तिलक राज तलवार, प्रधानाचार्या मीना सती, उप-प्रधानाचार्य एच. एस. बब्बर, प्रशासक निशा सिंह, सलाहकार के. दत्त, विभागाध्यक्ष अनीता बिष्ट तथा कक्षा अध्यापिका शोभा नियोलिया सहित समस्त शिक्षकों ने जिज्ञासा और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि सही मार्गदर्शन एवं सकारात्मक वातावरण में प्रतिभा अवश्य निखरती है।

मुक्त कराई गई भूमि पर फिर से अवैध निर्माण शुरू कर दिया

हल्द्वानी (संवाददाता)। मामला राजपुरा क्षेत्र का है, जहां करीब ढाई वर्ष पहले मुक्त कराई गई भूमि पर फिर से अवैध निर्माण शुरू कर दिया गया था।बुधवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा राजपुरा स्थित अस्थायी गोशाला का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि पास की नजूल भूमि पर एक व्यक्ति पार्किंग स्थल बनाने की तैयारी कर रहा है। बताया गया कि लगभग 2100 वर्गफुट भूमि पर कब्जे की नीयत से दीवार खड़ी कर गेट भी लगा दिया गया है।सूचना मिलते ही निगम की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभ में संबंधित व्यक्ति ने कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि नजूल भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद टीम ने तत्काल अवैध दीवार और गेट को ध्वस्त कर भूमि को पुनः अतिक्रमण मुक्त करा दिया।नगर आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में जहां-जहां नजूल भूमि चिन्हित है, वहां नियमित निगरानी रखी जाए और दोबारा कब्जे की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण शहर की व्यवस्था और विकास में बाधा है, जिसे हर हाल में रोका जाएगा।कार्रवाई के दौरान सहायक लेखाधिकारी गणेश भट्ट, सफाई निरीक्षक अमोल असवाल सहित निगम की टीम मौजूद रही। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोबारा कब्जा करने वालों पर जुर्माना एवं कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी ।

एसएसजे परिसर में छात्रों का प्रदर्शन, निदेशक कार्यालय में तालाबंदी

अल्मोड़ा (संवाददाता)। सोबन सिंह जीना परिसर में गुरुवार को छात्रों का आक्रोश खुलकर सामने आया। विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों ने परिसर निदेशक का घेराव करते हुए निदेशक कार्यालय में तालाबंदी कर दी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि पिछले पांच महीनों से परिसर की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसर के शौचालय लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं, जिसकी शिकायत कई बार किए जाने के बावजूद सुधार नहीं किया गया। छात्र-छात्राओं ने निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि पिछले दो वर्षों में हुए निर्माण कार्यों में लाखों रुपये के दुरुपयोग की आशंका है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए और पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, परिसर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं और निर्माण कार्यों की जांच शुरू नहीं होती, तब तक निदेशक कार्यालय में तालाबंदी जारी रहेगी। इस दौरान विनय कनवाल, गोलू सतवाल, राहुल अधिकारी, विक्रम फर्त्याल, विशाल सिंह बिष्ट, कमल जोशी, भास्कर गोस्वामी और निशांत पांडे सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

भ्रूण मिलने की सूचना सामने आई

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर के रेलवे बाजार क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब जगदीश होटल के पीछे एक भ्रूण मिलने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली बनभूलपुरा पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।कोतवाल बनभूलपुरा दिनेश फर्त्याल ने बताया कि पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आसपास के क्षेत्र से भी आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी

बर्थडे स्पेशल : ब्यूटी विद ब्रेन एक्ट्रेस, मिस इंडिया खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

ब्यूटी विद ब्रेन की बात की जाए तो मल्टी-टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया।उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं।गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं।गुल ने बताया था, मिस इंडिया का खिताब मेरे लिए एक बाधा साबित हुआ है। अगर कोई एक्ट्रेस सिर्फ ग्लैमरस रोल या थोड़ा डांस करने वाली फिल्में करना चाहती है, जहां उसका योगदान कम हो, तो यह खिताब बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अगर कोई गंभीर अभिनेत्री बनना चाहती है और सार्थक भूमिकाएं निभाना चाहती है, तो फिल्ममेकर्स मिस इंडिया को ऐसी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं।गुल का मानना है कि आजकल अच्छी और सार्थक फिल्में बन रही हैं, जिन्हें मजबूत एक्टर्स की जरूरत है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि सिर्फ प्रियंका ही हैं, जिन्होंने ब्यूटी क्वीन का टैग तोड़कर खुद को एक शानदार अभिनेत्री साबित किया है।गुल पनाग का फिल्मी सफर साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म धूप से शुरू हुआ। डेब्यू फिल्म में उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन अनुज नायर की विधवा की भूमिका निभाई। फिल्म की कहानी परिवार के संघर्ष पर आधारित थी और गुल की परफॉर्मेंस को काफी सराहना मिली।इसके बाद वह साल 2006 में आई नागेश कुकुनूर की डोर में नजर आईं, जिसमें गुल ने एक राजस्थानी विधवा का किरदार निभाया। आयशा टाकिया के साथ उनकी केमिस्ट्री और इमोशनल एक्टिंग ने उन्हें क्रिटिक्स अवॉर्ड दिलाया। यह फिल्म गुल के करियर की सबसे सफल और यादगार फिल्मों में से एक है।साल 2007 में मनोरमा सिक्स फीट अंडर आई, जो एक थ्रिलर थी और गुल की परफॉर्मेंस फिर सराही गई। इसके अलावा हेलो, स्ट्रेट, रन, टर्निंग 30 और अब तक छप्पन 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा वह रह चुकी हैं। गुल की वेब सीरीज पाताल लोक में उनकी सपोर्टिंग रोल को भी खूब पसंद किया गया। गुल हमेशा कंटेंट वाली फिल्में चुनती हैं और कमर्शियल सिनेमा से दूर रहती हैं।पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2011 में उन्होंने बॉयफ्रेंड और पायलट ऋषि अत्तारी से पंजाबी रीति-रिवाज से शादी की। साल 2018 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया और बेटे का नाम निहाल रखा। वह अक्सर सोशल मीडिया पर परिवार के साथ बाइक राइड, ट्रिप और फिटनेस की तस्वीरें शेयर करती हैं। वह खुद लाइसेंस्ड पायलट, मैराथन रनर और बाइकर भी हैं।

43 साल के करियर में अनुपम खेर की 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू, कहा- कभी नहीं सोचा था

3 जून 1981 को एक ऐसे शख्स ने मुंबई में कदम रखा, जो आज हिंदी सिनेमा की बड़ी पहचान बन चुका है। हम बात कर रहे हैं अनुपम खेर की, जिन्होंने अपने 43 साल के करियर में 550वीं फिल्म के आंकड़े को छू लिया है और अपने इतने लंबे करियर में उन्होंने कई तरह के उतार-चढ़ाव भी देखे। अब उन्होंने 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और इसका श्रेय अपने चाहने वालों को दिया है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 1982 में आई फिल्म आगमन में छोटा सा किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन 1984 में आई फिल्म सारांश से उन्हें बड़ा ब्रेक मिला। किसे पता था कि सारांश से सराहना पाने वाले अनुपम खेर हिंदी सिनेमा पर राज करेंगे? अब साल 2025 में अभिनेता ने अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला-2 की शूटिंग शुरू कर दी है, जो उनके जीवन और करियर की बड़ी उपलब्धि है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है।उन्होंने पोस्ट में बताया, आज जब मैं अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला-2 की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, मेरा दिल कृतज्ञता और आभार से भरा है। जब मैं 3 जून 1981 को सपनों के शहर मुंबई पहुंचा था, तब मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 550 फिल्मों का यह मुकाम हासिल करूंगा। लेकिन आज मैं दिल्ली में केकेजी-2 के लिए अपना पहला शॉट देने को तैयार हूं। आपको बता दूं कि मुझे सच में लगता है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है, करने के लिए बहुत कुछ है।उन्होंने आगे लिखा, सपनों की कोई समय सीमा नहीं होती है। मेरा आशावाद, मेरा कभी हार न मानने वाला रवैया और मेरी कड़ी मेहनत करने की क्षमता ही मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है, लेकिन इन सभी वर्षों में मेरा अस्तित्व केवल मेरे सभी निर्माताओं, निर्देशकों, सह-कलाकारों, तकनीशियनों और सबसे बढ़कर आप सभी दर्शकों के समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है! आपके समर्थन के बिना इस मुकाम तक पहुंचना कभी संभव नहीं होता। अभिनेता ने दर्शकों को 43 साल तक मनोरंजन किया है और इस बड़ी उपलब्धि में फैंस का भी योगदान है। फैंस भी मनोरंजन की इस लंबी यात्रा के लिए अभिनेता को बधाई दे रहे हैं।

नए साल पर कपिल शर्मा ने दिया फैंस को तोहफा, किस किसको प्यार करूं 2 की फिर से होगी रिलीज, तारीख आई सामने

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। उनकी अदाकारी वाली फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के निर्माताओं ने आज एलान किया है कि यह फिल्म 9 जनवरी को री-रिलीज की जाएगी। निर्माताओं को यकीन है कि इस बार फिल्म पर दर्शक अच्छा रिस्पॉन्स देंगे।ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने जानकारी दी है कि फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पूरे भारत के सिनेमाघरों में यह फिल्म 9 जनवरी को दस्तक देगी।

कुछ चीजों के लिए ना कहना जरूरी, चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान ना कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्में या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है।

उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

इंटरव्यू में चित्रांगदा सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं।

उन्होंने कहा, अच्छे फिल्मकारों के साथ काम करने से अभिनेता खुद-ब-खुद बेहतर बनता जाता है। जब निर्देशक की सोच मजबूत होती है और कहानी को ईमानदारी से पेश किया जाता है, तो कलाकार को भी अपने किरदार में गहराई दिखाने का मौका मिलता है। इसी कारण मेरे लिए सिर्फ स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि फिल्म की गुणवत्ता और टीम की सोच ज्यादा मायने रखती है।

बॉर्डर-2 : वरुण धवन ने बिना नाम लिए दी पाकिस्तान और बांग्लादेश को चेतावनी, किया ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म बॉर्डर-2 का क्रेज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। शुक्रवार को फिल्म का आइकॉनिक गाना घर कब आओगे जैसलमेर में तनोट माता मंदिर के पास लॉन्च किया गया। जहां बीएसएफ के जवानों को सम्मानित भी किया गया, लेकिन सॉन्ग लॉन्च के दौरान वरुण धवन ने बिना किसी का नाम लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो देश दूसरे देश को आजादी दिला सकता है, वो अपनी आजादी के लिए भी लड़ सकता है। बॉर्डर-2 के आइकॉनिक गाने घर कब आओगे के सॉन्ग लॉन्च पर अभिनेता वरुण धवन पूरे जोश के साथ दिखे। उन्होंने लॉन्च पर कहा कि वे बचपन से ही देश की रक्षा में तैनात भारतीय जवानों के साहस पर बनी फिल्म में काम करना चाहते थे।उन्होंने कहा, मैंने बचपन में बॉर्डर देखी थी और तब मुझे पहली बार महसूस हुआ था कि मुझे भी देशभक्ति से भरी फिल्म में काम करना है। इस मंच पर खड़े होकर मैं देख रहा हूं कि हर जगह ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर्स लगे हुए हैं। वैसे तो हमारा देश बहुत अमन, शांति और प्यार वाला देश है, लेकिन कभी-कभी बहुत जरूरी है बॉर्डर-2 जैसी फिल्मों का आना, क्योंकि इससे हमारे देश के जो यूथ हैं, उन्हें हम सबको बता दें कि हमारे देश में वो जज्बा है, वो हिम्मत है, जब-जब हमारी धरती मां को कोई आंख भी उठाकर देखेगा, तो हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं।वरुण ने साल 1971 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के विभाजन का भी जिक्र किया और कहा, अगर हम एक ओर पर 1971 में दूसरे देश को आजादी दिला सकते हैं, तो उसी वक्त हम खुद के फ्रीडम के लिए लड़ भी सकते हैं। ये जज्बा और हिम्मत आज भी हमारी सेना में मौजूद है। अभिनेता ने सभी से फिल्म देखने की अपील की है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

राज्य की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने हेतु मुख्य सचिव द्वारा राजस्व प्राप्तियों की व्यापक समीक्षा

– वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए रणनीतिक रोडमैप एवं यथार्थपरक आकलन

– लक्ष्यों के सापेक्ष उपलब्धियों का मूल्यांकन, राजस्व वृद्धि हेतु सुधारात्मक कदमों के निर्देश

देहरादून (संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में राज्य की राजस्व प्राप्तियों की वर्तमान स्थिति एवं आगामी लक्ष्यों के यथार्थपरक आकलन के संबंध में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रहण की प्रगति, संभावनाओं एवं लक्ष्य निर्धारण पर विस्तार से चर्चा की गई।

एसजीएसटी में 20 हजार करोड़ का लक्ष्य, टैक्स बेस बढ़ाने पर जोर: मुख्य सचिव ने कहा कि एसजीएसटी के अंतर्गत लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक राजस्व प्राप्ति की संभावनाएं हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 20 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित करते हुए विभाग को टैक्स बेस का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो व्यवसाय टैक्स की परिधि में आते हैं, उन्हें चिन्हित कर कराधान के दायरे में लाया जाए। ऐसे कमर्शियल प्रतिष्ठानों की पहचान की जाए जो वर्तमान में टैक्स नेट से बाहर हैं। उन्होंने चेताया कि एसजीएसटी में संभावनाएं अधिक होने के बावजूद अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।विभागवार उपलब्धियों एवं संभावनाओं की समीक्षा: बैठक में सीजीएसटी, वैट, स्टांप एवं पंजीकरण, आबकारी, खनन, परिवहन, वन, विद्युत (कर एवं गैर-कर) तथा जलकर आदि मदों की विभागवार समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अगली बैठक में सेक्टरवार टैक्सपेयर की संख्या, वृद्धि की रणनीति, जीएसडीपी में संबंधित

सेक्टर का योगदान तथा संभावित राजस्व वृद्धि का विस्तृत डाटा प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में टैक्स संग्रहण की संभावनाएं हैं, वहां तार्किक और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए तथा नए राजस्व स्रोतों की पहचान की जाए।खनन, वन एवं हर्बल सेक्टर में राजस्व वृद्धि की कार्ययोजना: खनन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि निजी एवं सरकारी दोनों प्रकार के माइनिंग लॉट की समुचित पहचान की जाए। फॉरेस्ट एवं नॉन-फॉरेस्ट क्षेत्रों में संभावित राजस्व स्रोतों का सर्वे कर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वन एवं हर्बल सेक्टर में भी राजस्व की संभावनाएं हैं, जिन पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए जहां से राजस्व अर्जित होना चाहिए, किंतु वर्तमान में वंचित है।राजस्व लक्ष्य से वंचित विभागों को भी शामिल करने के निर्देश: मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि ऐसे विभाग जिन्हें अभी तक राजस्व लक्ष्य आवंटित नहीं किया गया है और जिनका व्यवहारिक रूप से लक्ष्य आवंटित होने चाहिए उन्हें भी चिन्हित कर राजस्व सृजन की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि कोई भी संभावित कर स्रोत छूटने न पाए।टैक्स प्रणाली को अधिक तार्किक, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए: मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि राज्य की वित्तीय सुदृढ़ता के लिए राजस्व संग्रहण में गुणात्मक सुधार अनिवार्य है। सभी विभाग गंभीरता, समन्वय एवं रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ कार्य करें ताकि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।बैठक में प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम व एल एल फैनई, सचिव दिलीप जावलकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार...

विधायक ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की समस्याएं जानी

ऋषिकेश (संवाददाता)। भाजपा से जुड़े नगर के जनप्रतिनिधियों ने गुरुवार को विधायक प्रेमचंद अग्रवाल को अपने क्षेत्रों की समस्याएं बताई। इस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने क्षेत्र में जनहित से जुड़े लंबित कार्यों के समाधान एवं नए विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। विधायक ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि क्षेत्र की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जनसमस्याएं हल करने को कहा। मौके पर पार्षद एकांत गोयल, पार्षद अजय दास, पार्षद आशु डंग, पार्षद वीरेंद्र भारद्वाज, पार्षद संजय ध्यानी आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से कैब संचालन के निर्णय पर रोक

ऋषिकेश (संवाददाता)। जौलीग्रांट एयरपोर्ट से कैब संचालन का मामला गुरुवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंच गया। स्थानीय टैक्सी संचालकों ने देहरादून में सीएम से मुलाकात कर उन्हें मामले से अवगत कराया। टैक्सी संचालकों ने बताया कि सीएम के आश्वासन पर कैब संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। टैक्सी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर सिंह पंवार ने सीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि एयरपोर्ट से निजी कंपनी के कैब संचालन से स्थानीय टैक्सी चालकों के समक्ष रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। वर्षों से स्थानीय चालक सीमित संसाधनों में पर्यटन, आवागमन और आपात सेवाओं का जिम्मा निभाते आ रहे हैं। ऐसे में बाहरी निजी कंपनी के प्रवेश से स्थानीय चालकों के व्यवसाय प्रभावित होगा। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर टैक्सी का संचालन निजी कंपनी को दिए जाने के निर्णय पर रोक लगाई जाए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय लोगों के हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी नई व्यवस्था या निजी संचालन से पहले स्थानीय रोजगार, नियमों और संतुलन को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए परिवहन सचिव बृजेश संत से स्वयं बातचीत कर उचित समाधान निकालने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद निजी कंपनी के कैब संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। मौके पर भाजपा नेता ईश्वर रौथान, भगवान सिंह पवार, सुनील गुसाई, महेंद्र भारती, चंद्र किशोर उनियाल आदि मौजूद रहे।

बिजली का बकाया जमा नहीं करने पर बकायेदारों को नोटिस जारी

कोटद्वार (संवाददाता)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के निकलने में कम समय रह गया है। ऐसे में सभी विभागों ने राजस्व वसूली तेज करने के लिए बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ऊर्जा निगम ने बड़े बकायेदारों को निर्धारित समय के भीतर पैसा नहीं चुकाने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी है। कहा कि देरी से पैसा देने पर विलंब शुल्क के साथ ही कनेक्शन जोड़ने का फिर से पैसा देना होगा। विभाग की ओर से बीते जनवरी माह में 295 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। कनेक्शन कटने से परेशान उपभोक्ताओं ने बिल भुगतान के लिए दौड़ लगानी शुरू कर दी है। विद्युत वितरण खंड कोटद्वार के अंतर्गत सबसे ज्यादा उपभोक्ता व बकाएदार कोटद्वार सब डिवीजन में हैं। ऊर्जा निगम के एसडीओ सिटी कमल सिंह का कहना है कि उनके एरिया में 47 हजार कनेक्शन घरेलू व व्यावसायिक के साथ ही उद्योगों के हैं। फरवरी अंतिम सप्ताह तक बिलों के भुगतान का काम जारी है। पांच हजार रुपये और इससे अधिक के बकाएदार केवल 176 उपभोक्ता हैं, जिन पर 61.90 लाख का बकाया है। दो हजार रुपये के बकायेदारों की संख्या करीब 3500 तक पहुंच गई है। इसके लिए उन्हें नोटिस दिए गए हैं। पुराना बकाया धनराशि के साथ ही हर माह 20 करोड़ रुपये की बिलिंग होती है। उपभोक्ताओं को मार्च फाइनल को देखते हुए जल्द से जल्द बकाया धनराशि का भुगतान करने के लिए कहा जा रहा है। जनवरी माह में 26 करोड़ की वसूली और फरवरी में 27 करोड़ की वसूली का लक्ष्य निर्धारित हुआ था। वसूली में तेजी लाई गई है। अब 2.5 करोड़ का बकाया है, जिसे माह के अंत तक वसूल करने का लक्ष्य रखा गया है। तहसील ने की 81 फीसदी वसूली, अवशेष के लिए हर संभव प्रयास तहसील प्रशासन के पास विभिन्न प्रकार के बकाएदारों की सूची बनी हुई है, जिसमें जीएसटी, अदालती, सहकारी बैंक के ऋण, बैंक देय, वाहन ऋण के बकाएदार शामिल हैं। एक लाख रुपये से अधिक के बकाएदारों में 27 मामले लंबित है जिसकी वसूली के लिए व्यक्तिगत संपर्क कर प्रयास किए जा रहे हैं। तहसील में राजस्व वसूली का काम राजस्व संग्रह अमीन देख रहे हैं। लेखाकार कमलेश्वर प्रसाद का कहना है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश पर वसूली का काम तेज कर दिया गया है।

समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें विकास कार्य: प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश (संवाददाता)। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने गुरुवार को एमडीडीए के अधिकारियों संग ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। बैराज कैंप कार्यालय में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान विधायक ने नेपाली फार्म क्षेत्र में बन रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क के निर्माण कार्य की स्थिति पर भी चर्चा की। भविष्य में कोतवाली ऋषिकेश, उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश एवं कन्या इंटर कॉलेज ऋषिकेश की दीवारों पर प्रस्तावित भित्त चित्रों, विधानसभा प्रवेश द्वार पर बनने वाले स्वागत द्वार, शहर में निर्मित डिवाइडरों के रखरखाव, सड़क निर्माण कार्यों तथा एमडीडीए के माध्यम से संचालित अन्य विकास योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक – संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , **आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email:** jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com